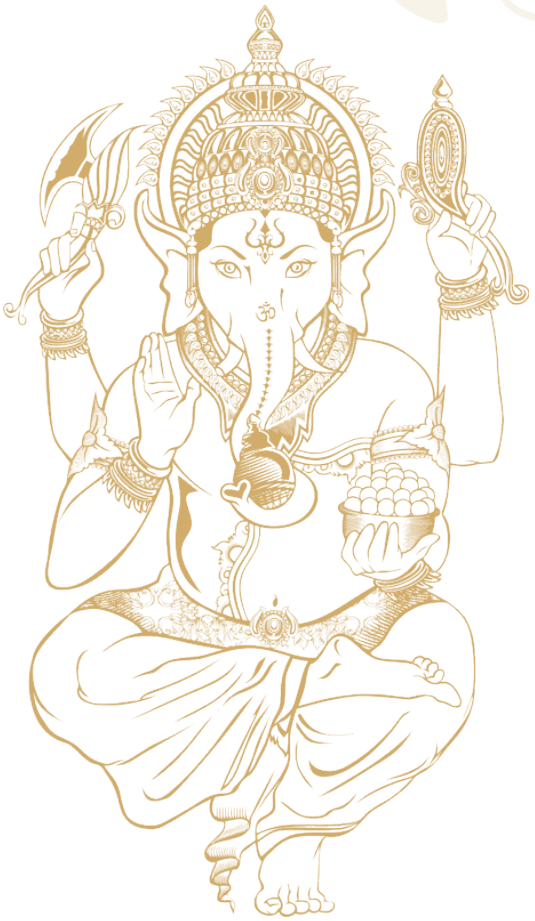

Ankul

30 Aug 1995

10:50 AM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121113902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/08/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:50:00 घंटे**
इष्ट	12:05:37 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:25:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:49 घंटे
साम्पातिक काल	08:57:41 घंटे
सूर्योदय	05:59:45 घंटे
सूर्यास्त	18:49:25 घंटे
दिनमान	12:49:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:35:13 सिंह
लग्न के अंश	14:36:23 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:36:23	307:05:33	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			सिंह	12:35:13	00:58:00	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	01:56:19	13:34:36	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	00:54:53	00:38:59	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			कन्या	07:41:49	01:18:12	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	12:51:52	00:04:50	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	15:06:51	01:14:24	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	28:42:10	00:04:20	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		तुला	03:45:47	00:00:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	03:45:47	00:00:12	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	03:16:37	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप	व		धनु	29:18:40	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	04:08:53	00:00:44	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	18:09:40	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:56

लग्न-चलित

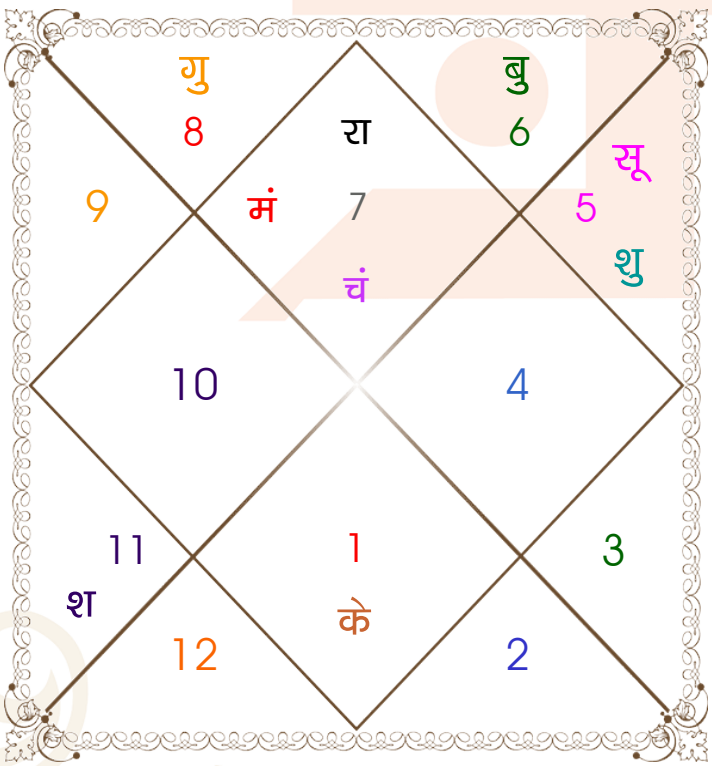

चन्द्र कुंडली

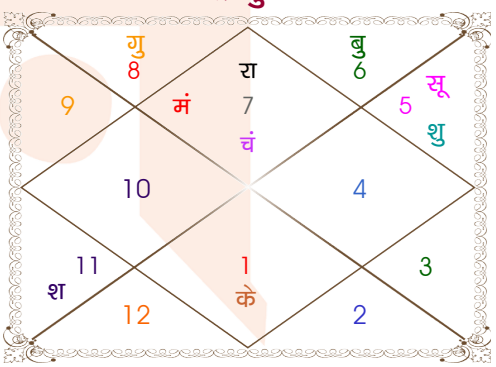

नवमांश कुंडली

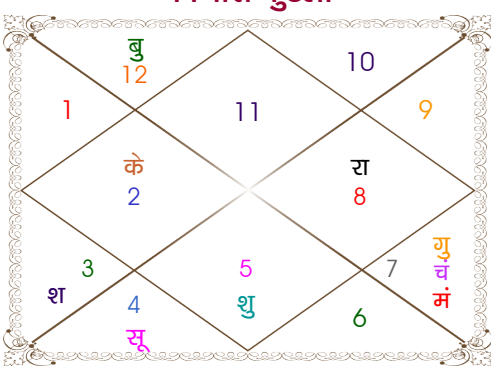

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 5 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/08/1995		22/02/1998		22/02/2016		22/02/2032		22/02/2051	
22/02/1998		22/02/2016		22/02/2032		22/02/2051		22/02/2068	
	00/00/0000	राहु	04/11/2000	गुरु	11/04/2018	शनि	25/02/2035	बुध	20/07/2053
	00/00/0000	गुरु	30/03/2003	शनि	23/10/2020	बुध	04/11/2037	केतु	18/07/2054
	00/00/0000	शनि	03/02/2006	बुध	28/01/2023	केतु	14/12/2038	शुक्र	18/05/2057
	00/00/0000	बुध	23/08/2008	केतु	04/01/2024	शुक्र	12/02/2042	सूर्य	24/03/2058
	30/08/1995	केतु	10/09/2009	शुक्र	04/09/2026	सूर्य	25/01/2043	चंद्र	23/08/2059
केतु	17/01/1996	शुक्र	10/09/2012	सूर्य	24/06/2027	चंद्र	26/08/2044	मंगल	20/08/2060
शुक्र	18/03/1997	सूर्य	05/08/2013	चंद्र	23/10/2028	मंगल	05/10/2045	राहु	09/03/2063
सूर्य	23/07/1997	चंद्र	04/02/2015	मंगल	28/09/2029	राहु	11/08/2048	गुरु	14/06/2065
चंद्र	22/02/1998	मंगल	22/02/2016	राहु	22/02/2032	गुरु	22/02/2051	शनि	22/02/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/02/2068		22/02/2075		22/02/2095		22/02/2101		23/02/2111	
22/02/2075		22/02/2095		22/02/2101		23/02/2111		00/00/0000	
केतु	20/07/2068	शुक्र	23/06/2078	सूर्य	11/06/2095	चंद्र	24/12/2101	मंगल	22/07/2111
शुक्र	19/09/2069	सूर्य	24/06/2079	चंद्र	11/12/2095	मंगल	25/07/2102	राहु	08/08/2112
सूर्य	25/01/2070	चंद्र	21/02/2081	मंगल	17/04/2096	राहु	24/01/2104	गुरु	15/07/2113
चंद्र	26/08/2070	मंगल	23/04/2082	राहु	12/03/2097	गुरु	25/05/2105	शनि	24/08/2114
मंगल	22/01/2071	राहु	23/04/2085	गुरु	29/12/2097	शनि	24/12/2106	बुध	21/08/2115
राहु	10/02/2072	गुरु	23/12/2087	शनि	11/12/2098	बुध	24/05/2108	केतु	31/08/2115
गुरु	16/01/2073	शनि	22/02/2091	बुध	17/10/2099	केतु	23/12/2108		00/00/0000
शनि	25/02/2074	बुध	23/12/2093	केतु	22/02/2100	शुक्र	24/08/2110		00/00/0000
बुध	22/02/2075	केतु	22/02/2095	शुक्र	22/02/2101	सूर्य	23/02/2111		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 5 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।